B.A. Sanskrit
संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit
सत्र- पंचम

आधारभूत पत्र (Core paper) Paper Code BSA-G 513	**संस्कृत छन्द एवं संगीत**	**पूर्णाङ्क 100** **सत्रान्त परीक्षा : 70** **सत्रीय मूल्याँकन : 30** **क्रेडिट : 06**

खण्ड – क (Section–A) छन्दशास्त्र का संक्षिप्त परिचय

खण्ड –ख (Section–B) संस्कृत छंद के तत्त्व और वर्गीकरण

खण्ड– ग (Section–C) चयनित वैदिक छन्द और उनके गीतात्मक पद्धतियों का विश्लेषण

खण्ड–ग (Section–D) चयनित लौकिक छन्द और उनके गीतात्मक पद्धतियों का विश्लेषण

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय संगीत का परिचय कराना है। इसके माध्यम से छात्र संगीत में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न छन्द, स्वर, ताल एवं लय आदि के तत्त्वों से अवगत हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम-अध्ययनपरिणाम(Course-Outcomes) -

- इस पत्र के माध्यम से छात्रों को संस्कृत के छन्द ,स्वर,गायन पद्धति आदि की जानकारी होगी।
- संगीत ज्ञान छात्रों के जीवन को समृद्ध सरस एवं माधुर्यपूर्ण बनायेगा।

घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)

छन्दशास्त्र का संक्षिप्त परिचय

घटक (Unit)- 1 – छन्दशास्त्र का संक्षिप्त परिचय

खण्ड –ख (Section–B)

संस्कृत छन्द के तत्त्व और वर्गीकरण

घटक (Unit) –1-वर्णिकछन्द (अक्षरवृत्त) , मात्रिक (जाति)

घटक (Unit) – 2 लघु एवं गुरु वर्ण,गण, पाद, यति का सामान्य परिचय।

खण्ड–ग (Section–C)

चयनित वैदिक छन्द और उनके गीतात्मक पद्धतियों का विश्लेषण

घटक (Unit) 1– गायत्री, उष्णिक्, अनुष्टुप्, बृहती, पंक्ति, त्रिष्टुप्,जगती

खण्ड–ग (Section–D)

चयनित लौकिक छन्द और उनके गीतात्मक पद्धतियों का विश्लेषण

घटक (Unit) 1– निम्नलिखित छन्दों की परिभाषा, उदाहरण, विश्लेषण और गीतात्मक पद्धति - भुजंगप्रयात, स्रग्विणी, त्रोटक, हरिगीतिका, विद्युन्माला, अनुष्टुप्, आर्या, मालिनी, शिखरिणी, वसन्ततिलका, मन्दाक्रान्ता, स्रग्धरा और शार्दूलविक्रीडितम् ।

प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप -

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे ।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें ।

अंक 04x10= 40

Suggested Books/Readings:

1.पिंगलमुनि , छन्दशास्त्र ।

1. Brown, Charles Philip (1869). Sanskrit Prosody and Numerical Symbols Explained. London : Trübner & Co.

2. Deo, Ashwini. S (2007). The Metrical Organization of Classical Sanskrit Verse, (PDF). Journal of Linguistics 43 (01): 63–114. doi:10.1017/s0022226706004452.

3. Recordings of recitation: H. V. Nagaraja Rao (ORI, Mysore), Ashwini Deo, Ram Karan Sharma, Arvind Kolhatkar.

4. Online Tools for Sanskrit Meter developed by Computational Linguistics Group, Department of Sanskrit, University of Delhi: http://sanskrit.du.ac.in

5.धरानन्द शास्त्री(संपा.), केदारभट्ट विरचित वृत्तरत्नाकर, मोतीलालबनारसीदास, दिल्ली, 2004 ।